

भरलो झोलियाँ | By Kamal Kishore Kavi

खाटू बाबा बड़े निराले सब देवो में भोले भाले
उंच नीच ना देखे कोई सबको करते प्यार
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार
भरलो भरलो झोलियाँ आके खाटू के दरबार

मुखड़ा है भोला भाला सुन्दर है रूप निराला
मुखड़े पे जाऊं कुर्बान गाऊँ मैं तो तेरा गुणगान
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

जो भी आये सच्चे मन से मिलता उसे सहारा
फागुन में है जिसके दर पे लगता अजब नज़ारा
जिन्दगी महक जायेगी कर लो फूलों से श्रृंगार
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

डम डम ढोल नगाड़े बजते छम छम बजते छैने
धिनक धिनक दिन भक्त हैं नाचे मस्ती के क्या कहने
चन्दन का जो तिलक करे तो भर देते भण्डार
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

पंचा श्री नाम के प्यारे तू भी जप ले माला
जय श्री खाटू श्याम है बोले कवी हरयाणे वाला
सात जनम के पाप करम का सर से उतरे भार
भरलो भरलो झोलियाँ आके बाबा के दरबार

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ad%e0%a4%b0%e0%a4%b2%e0%a5%8b-%e0%a4%9d%e0%a5%8b%e0%a4%b2%e0%a4%bf%e0%a4%af%e0%a4%be%e0%a4%81-by-kamal-kishore-kavi/>